DEPARTMENT OF SANSKRIT

RAJEEV GANDHI GOVT. PG COLLEGE AMBIKAPUR (C.G)

PROGRAM /COURSE STRUCTURE AND SYLLABUS

as per the Choice Based Credit System (CBCS)

for

BACHELOR OF ARTS B.A. (SANSKRIT)

(OLD COURSE)

SESSION - 2023-24

Website : http://www.rgpgcapur.in/ E-mail– rgpg.apur1960@gmail.com
Phone : 07774 – 230921

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

बी. ए. सेमेस्टर –1

(SANS-101)

विषय– संस्कृत

शीर्षक –नाटक, व्याकरण और अनुवाद

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30

इकाई–1 स्वप्नवासवदत्तम्– व्याख्या –

इकाई–2 स्वप्नवासदत्तम् समीक्षात्मक प्रश्न –

इकाई–3 सुबंत (शब्दरूप) राम, गति, भानु, पितृ, करीन्, भूभृत्, कर्तृ, चंद्रमस्, भगवत्, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, वाच्, रात्रि, सर्व, तद, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्, एक, द्वि.त्रि. वचन तिङन्त (धातु रूप) भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लृट् और विधिलिङ् लकारों के रूप एवं अस् और कृ धातुओं के भी रूप।

इकाई–4 प्रंत्याहार, संज्ञा तथा संधि और विभक्त्यर्थ–

इकाई – 5 हिन्दी से संस्कृत में 10 वाक्यों का अनुवाद –

अथवा

एक अपठित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद

अनुशंसित ग्रंथ

1. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. संस्कृतस्य व्यावहारिक स्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, श्री अरविन्द आश्रम
3. संस्कृत व्याकरण – श्रीधर वाशिष्ठ
4. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, भारती भवन पहना 1971
5. साधुबोध व्याकरणम् – डॉ. श्रीमति पुष्पा दीक्षित , कंठस्थ पाणिनीय शोध संस्था बिलासपुर (छ.ग.)
6. लघुसिद्धांतकौमुदि – श्री शारदा रंजन रॉय 1954
7. संस्कृत निबंध रत्नाकर – डॉ. शिव प्रसाद भारद्वाज, अशोक प्रकाशन दिल्ली – 1977 द्वितीय संस्करण

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

बी. ए. सेमेस्टर –2

(SANS-201)

विषय– संस्कृत

शीर्षक गद्य, कथा एवं साहित्योतिहास

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30

इकाई – 1 शुकनासोपदेश (व्याख्या)

इकाई – 2 हितोपदेश मित्रलाभ (व्याख्या)

इकाई – 3 शुकनासोपदेश व हितोपदेश के समीक्षात्मक प्रश्न –

इकाई – 4 संस्कृत, नाटक एवं कथा साहित्य का इतिहास–

इकाई – 5 प्रमुख कवियों के परिचय, महाकवि कालिदास, महाकवि माघ, महाकवि भारवि, महाकवि श्रीहर्ष, महाकवि अम्बिकादत्त व्यास–

अनुशांसित ग्रंथ

1. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ राधा वल्लभ, वि.वि. प्रकाशन, सागर
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – पं. बलेदव उपाध्याय
3. हितोपदेश मित्रलाभ – मोतीलाल बनारसीदास काशी अथवा चौखम्बा प्रकाशन, काशी

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नाकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0

बी. ए. सेमेस्टर –3

(SANS-301)

विषय– संस्कृत

शीर्षक–नाटक, व्याकरण तथा रचना

अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70

इकाई–1 नागानंद नाटक (श्रीहर्ष)

दो श्लोकों की ससंदर्भ व्याख्या

संसदर्भ दो सूक्तियों की व्याख्या

इकाई–2 नागानंद–समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 व्याकरण – लघुसिद्धांत कौमुदी, कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य।

इकाई–4 व्याकरण – लघुसिद्धांत कौमुदी, समास प्रकरण ।

इकाई–5 वाक्य रचना

व्याकरण के अधीत अंश पर आधारित दस संस्कृत शब्दों से वाक्य रचना।

अनुशंसित ग्रंथ

1. अनुवाद चंद्रिका – चौखम्बा प्रकाशन काशी

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–4

(SANS-401)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–पद्य तथा साहित्येतिहास

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30

इकाई – 1 **रघुवंशमहाकाव्य – द्वितीय सर्ग**

दो श्लाकों की संदर्भ व्याख्या

एक श्लोक का अनुवाद

इकाई – 2 **रघुवंशमहाकाव्य – समीक्षात्मक प्रश्न ।**

इकाई – 3 **नीतिशतक (भृतहरि), दो श्लोकों की व्याख्या ।**

इकाई – 4 **साहित्येतिहास**

महाकाव्य तथा गद्यकाव्य – रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, किरातार्जुनीयम्, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, विक्रमांकदेवचरित, राजतरंगिणी। वासवदात्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, तिलकमंजरी, गद्यचिन्तामणी, शिवराजविजय।

इकाई – 5 **साहित्येतिहास**

गीतिकाव्य, मुक्तककाव्य तथा कथा साहित्य– शतकत्रय (भतृहरि), ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरूशतक, गीतागोंविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी, नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, पंचतंत्र, हितोपदेश, वेतालपंचविशंति, शुकसप्तति, कथासरितसागर, वृहतथामंजरि, कथामुक्तावली। उल्लिखित कृतियों रचयिताओं के सामान्य परिचय अपेक्षित है।

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–5

(SANS-501)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–नाटक, छन्द तथा व्याकरण

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30

इकाई – 1 **अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)**

दो श्लाकों की संदर्भ व्याख्या

एक श्लोक का अनुवाद

(प्रथम, चतुर्थ, पंचम और सप्तम, अंक, व्याख्या हेतु द्रुतपाठ–शेष अंक)

इकाई – 2 **अभिज्ञानशाकुन्तलम् – समीक्षात्मक प्रश्न**

इकाई – 3 **निर्धारित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण**

अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दुलविक्रीड़ित, स्नग्धरा, मन्दाक्रांता।

इकाई – 4 **व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी**

कृदन्त प्रकरण–तव्यत्, अनीयन्, यत्, क्यप्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, ण्वुल्, तृच्, ल्युट्, अण्।

इकाई – 5 **व्याकरण – लघुसिद्धान्तकौमुदी**

1. तद्धित प्रत्यय – अण् ढक्, ष्यञ्, त्व, ढक्, इमनिच्, ठक्, अञ्, मतुप्, इनि, इतच् ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्।

2. स्त्री प्रत्यय – टाप्, डीप्, ङीष्, ङीन्।

अनुशंसित ग्रंथ –

शीघ्रबोधव्याकरणम – डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर

लघुसिद्धांतकौमुदी – श्रीधरानंद शास्त्री

संस्कृत हिन्दी कोष – वामन शिवराम आप्टे

छन्दोमंजरी – चौखंबा प्रकाशन काशी

राजीव गाँधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, सरगुजा (छ0ग0)

बी0ए0 सेमेस्टर–6

(SANS-601)

विषय–संस्कृत

शीर्षक–काव्य, अलंकार तथा निबंध

सेमेस्टर (SEE) परीक्षा अंक 70 **अंतरिक (CCA) मूल्यांकन 30**

इकाई – 1 **किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग (भारवि)**

दो श्लाकों की ससंदर्भ व्याख्या

इकाई – 2 **किरातार्जुनीयम् – आलोचनात्मक प्रश्न**

इकाई –3 **मूलरामायणम्–वाल्मीकि।**

व्याख्या अथवा आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई – 4 **अलंकार –**

उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, दीपक, विभवना, विशेषोक्ति, दृष्टांत, निदर्शना, यमक, शब्दश्लेष, अनुप्रास अनन्वय, ससन्देह, भ्रान्तिमान्।

टिप्पणी :– अलंकारो के लक्षण चन्द्रालोक, साहित्यदर्पण अथवा काव्यप्रकाश से अध्येतव्य है, उदाहरण पाठ से भी दिये जा सकते है।

इकाई –5 **निबंध (संस्कृत भाषा में) 15 वाक्यों में**

टिप्पणी – निबंध समीक्षात्मक अथवा विश्लेषणात्मक न होकर वर्णनात्मक पूछे जायेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ –

संस्कृत निबंध – डॉ. कपिलदेव, द्विवेदी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

निबन्ध पारिजात – डॉ. रजनीकांत लहरी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव, द्विवेदी, चौखवा प्रकाशन, वाराणसी

प्रबन्ध रत्नाकर – डॉ. रमेशचन्द्र शुक्ल, डॉ. चौखवा प्रकाशन, वाराणसी